







उत्तराखण्ड शासन



“प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में देवभूमि उत्तराखण्ड निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है। तीर्थाटन एवं पर्यटन की दृष्टि से लोग यहाँ आयें तथा पर्यटन के साथ-साथ तीर्थों के भी दर्शन कर सकें, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा जरुरी कदम उठाये जा रहे हैं ताकि पर्यटक शीतकाल में पर्यटन के साथ तीर्थों का भी आनन्द ले सकें।”

**पुष्कर सिंह धामी**  
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

# विकसित भारत, समर्थक उत्तराखण्ड



**देवभूमि उत्सव**

9 नवंबर 2024-25 | उत्तराखण्ड



“21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।”

**नरेन्द्र मोदी**  
प्रधानमंत्री

## देवभूमि उत्तराखण्ड

# शीतकालीन यात्रा



**1** श्री यमुनोत्री धाम का शीतकालीन प्रवास  
**यमुना मन्दिर**  
खरसाली (उत्तरकाशी)

यमुनोत्री चारधाम यात्रा का प्रथम पड़ाव है। यमुनोत्री मन्दिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने पर मां यमुना की डोली को खरसाली लाया जाता है जो कि मां यमुना का शीतकालीन प्रवास स्थान है। शीतकालीन प्रवास के दौरान खरसाली में ही मां यमुना की पूजा की जाती है और यहाँ पर यमुना जी के भाई भगवान शनिदेव जी का मन्दिर भी स्थित है।

**2** श्री केदारनाथ धाम का शीतकालीन प्रवास  
**ओंकारेश्वर मन्दिर**  
ऊखीमठ (रुद्रप्रयाग)

ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मन्दिर भगवान केदारनाथ का शीतकालीन प्रवास स्थान है। शीतकाल के दौरान भगवान केदारनाथ की पूजा इसी मन्दिर में की जाती है। केदारनाथ मन्दिर से मूर्तियों की उत्सव डोली को ऊखीमठ लाया जाता है और ओंकारेश्वर मन्दिर में छह महीने तक पूजा की जाती है।



**सनशाईन पर्यटन**  
एक और जहाँ देश के बहुत से भाग कोहरे की चादर ओढ़े हैं, वहाँ देवभूमि उत्तराखण्ड के पहाड़ों में खिलखिलाती धूप का आनन्द उठाया जा सकता है।

आईये! आप भी उत्तराखण्ड में आध्यात्म व पर्यटन का आनन्द उठाईये।

**उत्तराखण्ड: एक अद्वितीय, रोमांचक और प्राकृतिक गंतव्य**  
इको-टूरिज्म हो या वाइल्डलाइफ टूरिज्म या रोमांचकारी अनदेखी बर्फिली चोटियाँ और रोमांचकारी स्कीइंग और माउंटेन बाइकिंग, पैरालाइडिंग और ट्रेकिंग के रोमांचकारी रास्ते, आपको यहाँ वह सब कुछ मिल सकता है जिसके लिए कई देशों की यात्रा करनी पड़ सकती है। उत्तराखण्ड अब हरित पर्यटन, माइंडफुल ट्रैवल, वन्यजीव यात्रा, प्राकृतिक पर्यटन के लिए जाना जाता है। बेहतर पर्यटन नीतियों और उच्च संभावनाओं को देखते हुए विगत वर्षों में राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में बेहतर निवेश तो हुआ ही है साथ ही भविष्य में कई बड़े निवेशकों ने उभरता हुआ पर्यटन स्थल बनना जा रहा है। साहसिक गतिविधियों के लिए उत्तराखण्ड

ओली

निम कार्बेट

जार्ज ऐवरेस्ट,  
मसूरी

#ExploreUttarakhand



सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

[www.uttarainformation.gov.in](http://www.uttarainformation.gov.in)

[uttarakhandDIPR](#)

[DIPR\\_UK](#)

[uttarakhand DIPR](#)

















